



# प्रदेश में हाई अलर्ट : धार्मिक स्थलों व सीमावर्ती इलाकों की बढ़ाई गई सुरक्षा

दिल्ली में लालकिला मेट्रो स्टेशन धमाके के बाद डीजीपी ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को किया अलर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : दिल्ली में लालकिला मेट्रो स्टेशन के पास हाई धमाके के बाद सुधार्यमंत्री योगी के निर्देश पर डीजीपी राजीव कृष्ण ने प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। सभी पुलिस कमिशनर, एसएसपी, एसपी और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने को कहा है। संवेदनशील स्थानों, धार्मिक स्थलों, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, बस स्टेशन व बाजारों समेत सभी मॉल में चेकिंग अधियान चलाने के निर्देश दिये गये हैं। पूरे प्रदेश में पुलिस ने चेकिंग अधियान देर शाम से शुरू कर दिया है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी

फौल्ड में उपस्थित रहने के साथ चेकिंग करते सुरक्षाकर्मी। लखनऊ में मल्टी लेवल पार्किंग में डॉग रखवॉड के साथ चेकिंग करते सुरक्षाकर्मी।



दिल्ली में धमाके के बाद राजधानी लखनऊ के हजरतगंज क्षेत्र में सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी।

अमृत विचार

विद्युतों की सुरक्षा व्यवस्था की पुनः समीक्षा के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा वाहनों की चेकिंग, मेट्रो, बस अड्डे, रेलवे स्टेशनों, मॉल, सिनेमा हॉल तथा अन्य सर्वजनिक आयोजनों एवं धार्मिक स्थलों का परिवहन और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, बाजारों, सार्वजनिक आयोजनों एवं धार्मिक स्थलों का स्वयं भ्रमण, निरीक्षण एवं पेट्रोलियम प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों, भीड़भाड़ वाले स्थानों व अन्य संवेदनशील वाले क्षेत्रों को कहा है। साथ ही महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को धार्मिक स्थलों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को कहा है।

योगी के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को संवेदनशील धार्मिक स्थलों, संवेदनशील जिलों और सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सभी सुरक्षा एजेंसियों को भी अलर्ट कर दिया गया है। प्रदेश के सभी जिलों की पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। लखनऊ से संवेदनशील इलाकों में ग्राम और जात्र बदलों का आदेश जारी किया गया है। -अमिताभ यश, एडीजी कानून-व्यवस्था, उप.

में रखा जाए तथा फुट पेट्रोलिंग कर तथा स्थानीय खुकिया तंत्र और एरिया डोमिनेशन बढ़ाने के तथा नागरिक सूचना नेटवर्क को निर्देश दिये हैं। साथ ही सीसीटीवी संक्रिय कर सांदर्भ व्यक्तियों और फ्रैंड्स का रीयल-टाइम विश्लेषण गतिविधियों की तुरंत रिपोर्टिंग करने

के लिए कहा है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लावारिस वस्तुओं और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन चेकिंग के भी निर्देश दिए हैं। वहाँ यूरी 112 पीआरआर निरंतर संवेदनशील स्थानों पर भ्रमण करने और सोशल मीडिया की लगातार निराशनी करते हुए हर इनपुट को गंभीरता से लेते हुए अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कारबाई के निर्देश दिए हैं।

लखनऊ के आरोप है।

फिलहाल

पुलिस महिला डॉक्टर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक ग्राम औपरेशन के तहत इस मॉड्यूल का पर्दाकाश किया है। जात्र में सामने आया है कि डॉक्टर शाहीन शाहिद का संपर्क कई संदेश नेटवर्क से था। डॉक्टर शाहीन की डोर पासिस्तान में बैठे आतंकियों से जुड़ी है। पुलिस और जात्र जात्र करता है। शाहीन का दावा है कि शाहीन को डिजिटर डिवाइस बैंक माइक्रो भारत के विभिन्न हिस्सों में लेनदेन और विदेश के केनेक्षन की आतंकी गतिविधियों को संचालित जाच कर रही है।

जात्र

करने का साजिश रच रहा था। डॉक्टर

शाहीन का नाम अलीगढ़ रियल फॉलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों अब यह जांच कर रही है कि क्या इस विश्वविद्यालय के माध्यम से किसी तह का आतंकी फैटिंग से इस नेटवर्क का संचालन किया जा रहा है। डॉक्टर शाहीन की डोर पासिस्तान में बैठे आतंकियों से जुड़ी है। पुलिस और जात्र जात्र करता है। शाहीन को डिजिटर डिवाइस बैंक माइक्रो भारत के विभिन्न हिस्सों में लेनदेन और विदेश के केनेक्षन की आतंकी गतिविधियों को संचालित जाच कर रही है।

जात्र

करने का साजिश रच रहा था। डॉक्टर

शाहीन का नाम अलीगढ़ रियल फॉलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों अब यह जांच कर रही है कि क्या इस विश्वविद्यालय के माध्यम से किसी तह का आतंकी फैटिंग से इस नेटवर्क का संचालन किया जा रहा है। डॉक्टर शाहीन की डोर पासिस्तान में बैठे आतंकियों से जुड़ी है। पुलिस और जात्र जात्र करता है। शाहीन को डिजिटर डिवाइस बैंक माइक्रो भारत के विभिन्न हिस्सों में लेनदेन और विदेश के केनेक्षन की आतंकी गतिविधियों को संचालित जाच कर रही है।

जात्र

करने का साजिश रच रहा था। डॉक्टर

शाहीन का नाम अलीगढ़ रियल फॉलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों अब यह जांच कर रही है कि क्या इस विश्वविद्यालय के माध्यम से किसी तह का आतंकी फैटिंग से इस नेटवर्क का संचालन किया जा रहा है। डॉक्टर शाहीन की डोर पासिस्तान में बैठे आतंकियों से जुड़ी है। पुलिस और जात्र जात्र करता है। शाहीन को डिजिटर डिवाइस बैंक माइक्रो भारत के विभिन्न हिस्सों में लेनदेन और विदेश के केनेक्षन की आतंकी गतिविधियों को संचालित जाच कर रही है।

जात्र

करने का साजिश रच रहा था। डॉक्टर

शाहीन का नाम अलीगढ़ रियल फॉलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों अब यह जांच कर रही है कि क्या इस विश्वविद्यालय के माध्यम से किसी तह का आतंकी फैटिंग से इस नेटवर्क का संचालन किया जा रहा है। डॉक्टर शाहीन की डोर पासिस्तान में बैठे आतंकियों से जुड़ी है। पुलिस और जात्र जात्र करता है। शाहीन को डिजिटर डिवाइस बैंक माइक्रो भारत के विभिन्न हिस्सों में लेनदेन और विदेश के केनेक्षन की आतंकी गतिविधियों को संचालित जाच कर रही है।

जात्र

करने का साजिश रच रहा था। डॉक्टर

शाहीन का नाम अलीगढ़ रियल फॉलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों अब यह जांच कर रही है कि क्या इस विश्वविद्यालय के माध्यम से किसी तह का आतंकी फैटिंग से इस नेटवर्क का संचालन किया जा रहा है। डॉक्टर शाहीन की डोर पासिस्तान में बैठे आतंकियों से जुड़ी है। पुलिस और जात्र जात्र करता है। शाहीन को डिजिटर डिवाइस बैंक माइक्रो भारत के विभिन्न हिस्सों में लेनदेन और विदेश के केनेक्षन की आतंकी गतिविधियों को संचालित जाच कर रही है।

जात्र

करने का साजिश रच रहा था। डॉक्टर

शाहीन का नाम अलीगढ़ रियल फॉलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों अब यह जांच कर रही है कि क्या इस विश्वविद्यालय के माध्यम से किसी तह का आतंकी फैटिंग से इस नेटवर्क का संचालन किया जा रहा है। डॉक्टर शाहीन की डोर पासिस्तान में बैठे आतंकियों से जुड़ी है। पुलिस और जात्र जात्र करता है। शाहीन को डिजिटर डिवाइस बैंक माइक्रो भारत के विभिन्न हिस्सों में लेनदेन और विदेश के केनेक्षन की आतंकी गतिविधियों को संचालित जाच कर रही है।

जात्र

करने का साजिश रच रहा था। डॉक्टर

शाहीन का नाम अलीगढ़ रियल फॉलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों अब यह जांच कर रही है कि क्या इस विश्वविद्यालय के माध्यम से किसी तह का आतंकी फैटिंग से इस नेटवर्क का संचालन किया जा रहा है। डॉक्टर शाहीन की डोर पासिस्तान में बैठे आतंकियों से जुड़ी है। पुलिस और जात्र जात्र करता है। शाहीन को डिजिटर डिवाइस बैंक माइक्रो भारत के विभिन्न हिस्सों में लेनदेन और विदेश के केनेक्षन की आतंकी गतिविधियों को संचालित जाच कर रही है।

जात्र

करने का साजिश रच रहा था। डॉक्टर

शाहीन का नाम अलीगढ़ रियल फॉलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों अब यह जांच कर रही है कि क्या इस विश्वविद्यालय के माध्यम से किसी तह का आतंकी फैटिंग से इस नेटवर्क का संचालन किया जा रहा है। डॉक्टर शाहीन की डोर पासिस्तान में बैठे आतंकियों से जुड़ी है। पुलिस और जात्र जात्र करता है। शाहीन को डिजिटर डिवाइ





## न्यूज ब्रीफ

## मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह की तिथियां निर्धारित

रायबरेली: जिलाधिकारी हर्षित माथुर ने समस्त खड़ विवाह अधिकारी, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद एवं समस्त नगर पंचायत सहित संबंधित अधिकारियों को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के आयोजन को सुधार रूप से सम्पादित करने एवं सफल बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया है कि माह नवंबर में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन 13 नवंबर को मिनी स्टेडियम सलान, 17 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, रायबरेली में, 25 को पूरे झाम रिंग, जगतपुर और 29 को गन्ना काटा मैदान, सतव में निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी सुर्जित अस्तवी को निर्दिष्ट किया है कि संबंधित अधिकारियों से सम्मत्य स्थापित कर्तव्यक्रम का सफल आयोजन करना सुनिश्चित करें।

## पीएसी जवान के घर से लाखों की छोरी

लालगंज: लालगंज कोतवाली क्षेत्र के उत्तर गौरी गांव में एक पीएसी जवान के घर धान बोलने वालों का माल पार कर दबावारों ने पुलिस को खुली नुस्खी दी है। पीडित मुमुक्षु कुमार पुत्र शिव बध्न नाथ ने बताया कि रविवार की रात लाग कर्म में सोने हुए थे, तभी अज्ञात दबावार की रात लाग कर्म में भूस आए और दबावार की रात लाग कर्म को तोड़कर लाखों के जेवात और नारी पार कर दी। पीडित ने लालगंज पुलिस से शिकायत की है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोट कुमार सिंह ने बताया कि वोरों की खोजनी की जा रही है।







## न्यूज ब्रीफ

अज्ञात वाहन की टक्कर से दंपति व बच्ची घायल

नवाबगंज, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के शुक्लांगंज निवासी राक्षस पुर जगेश्वर की बेटी अंजली करवा स्थित एक स्कूल में पढ़ती है।

सोमवार दोपहर राक्षस पारी व बच्ची के लिए बाइक से नवाबगंज आया था। जहां वाईपास पर अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक के टक्कर मार दी। जिससे पति, पत्नी व बच्ची सड़क पर गिरकर घायल हो गये। ऐंबुलेंस से घायलों को नवाबगंज सीरीजरसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने रामदीवी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

**युवक की हुई पिटाई, मां ने दर्ज कराई रिपोर्ट**

शुक्लांगंज, गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के चंचल नगर मोड़ के पास एक युवक की लाटी-डंडी से पिटाई कर दी गई।

मराहेड़ा निवासी रुपणी ने पली रख-

मैंकोंने पुलिस को दी हीरोर में बताया कि वहां ने वाहन की शाख 45 बजे उसका

बेटा सुरज पासी कवान नगर मोड़, गंगाघाट के हाउस के पास गया था। तभी सुरज मल्हार, कौशल गौतम, कमल शंकर व बैनू ने उसे गालियों द्वारा लाटी-डंडी से पीट दिया। मारीपट के दौरान सुरज बैहोश होकर पिरने लगा। अभी ही किंवदन्ति के बाद सीधी आरोपी जान से मराने की धमकी देते हुए मैंकोंने फरार हो गए। सुरुआ मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए ले गए। पुलिस ने तहीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

**एक्सप्रेस-वे पर खराब हुई निजी बस**

गंगमुराबाद। बैठटा मुजाहर थानाक्षेत्र में अगारा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर विहार से दिल्ली जा रही एक निजी बस अचानक खराब हो गई। जिससे यात्रियों को 14 घंटे तक बिना भोजन-पानी के बिहारी व जेंड विजय पाल ने दी। उन्होंने बताया कि स्मार्ट प्री-पेड मीटर के फायदे व बताते हुए कहा कि यह व्यवस्था उपभोक्ता सेवा में बड़ा सुधार लाएगी। एक्सप्रेस भरत गैटम ने एक निजी बस समर्पित लेकर विहार से दिल्ली जा रही थी। तभी देररात अचानक एक्सप्रेस-वे पर गौरिया कला के पास बस में तकनीकी खराबी आ गई।

जिससे बाक ने लेने किनारे बस रोक दी और भरमत करके काप्रायस शुरू किया। लेकिन बस ठीक नहीं हो सकी। जिससे यात्रियों को एक्सप्रेस-वे पर पूरी रात बिना भोजन पानी के बितानी पड़ी। सोमवार सुबह मिस्री के आने पर दोपहर 2 बजे बस हो सकी। इस दौरान 14 घंटे तक यात्री भूख- घायल से परेशान रहे।

**पंजीकृत श्रमिकों का कराया जाए नवीनीकरण**

उन्नाव। कार्यालय खंड विकास अधिकारी सिक्कदुर्घार कर्ण में श्रम विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हुई।

इसमें जीरो पार्टी अधियान के तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के नवीनीकरण व योजनाओं से लाभावधि कराने के संबंध में विचार-विश्लेषण किया गया।

पंजीकृत श्रमिकों का कराया जाए नवीनीकरण ने एक विशेष लाभ दिल्ली विकास अधिकारी सिक्कदुर्घार कर्ण में प्राप्ति लाने हेतु पंचायत सहायकों रोजगार सेवकों की निर्देशन किया। कैप में फहर खान खंड विकास अधिकारी सिक्कदुर्घार कर्ण, एसएन नागर शक्ति विकास अधिकारी रामधार्म सिंह, अमृत विकास अधिकारी उम्मीदवाली और अंजलि विकास अधिकारी सिक्कदुर्घार कर्ण ने इस कार्य में प्राप्ति लाने हेतु पंचायत विकास अधिकारी सिक्कदुर्घार कर्ण को दिए गए नवीनीकरण के लिए बड़ी उम्मीद दी।

**वकीलों ने खोला मोर्चा**

उन्नाव। सोमवार को बार अध्यक्ष गिरीश

मिश्र के नेतृत्व में सेकंडों अधिवक्ता सड़क पर उत्तरे और हार्सीलदार के विरुद्ध

करवाई की मांग की। इस दौरान सभी

ने तहसीलदार पर श्रद्धालु विकास एवं संलिप्त

होने व लरव कार्यशीली के आरप लगा

प्रदर्शन किया। महाराजी अनुभव जापेंगी

ने कहा कि जिला प्रशासन को पहले भी

इस संघर्ष में अधिकारीयों का साथ दिया गया।

अमृत विकास अधिकारी सिक्कदुर्घार कर्ण

ने इस कार्य में प्राप्ति लाने हेतु पंचायत

विकास अधिकारी सिक्कदुर्घार कर्ण को

महाराजी अनुभव जापेंगी।

विकास अधिकारी सिक्कदुर्घार कर्ण को

महाराजी अनुभव जापेंगी।

मेले में महिलाओं की खरीदारी से बढ़ी रौनक

संवाददाता, शुक्लांगंज (उन्नाव)

अमृत विचार। रेलवे पुल के नीचे लगाने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेले में सोमवार को भारी भीड़ उमड़ी। मेले में सुबह से ही महिलाओं को रेलवे घरेलू सामान की दुकानों पर दिखाई दिया। गृहस्थी की जरूरत का सामानकूजैसे चकाला, बेलन, बर्तन और अन्य घरेलू उपयोग की चीजें खरीदने के लिए महिलाएं उत्साह के साथ पहुंचीं।

बृथवार से शुक्र हुए इस पारंपरिक

मेले के छठवें दिन रेलवे पुल के

नीचे और गंगा रेती क्षेत्र में लोगों की

भीड़ देखते ही बन रही थी। दिनभर

मेला परिसर में रौक बनी रही।

बच्चे छोटे और बड़े झूलों, घोड़े-हाथी के झूलों पर खूब मस्ती करते

मेले में दुड़िया खरीदारी महिलाएं।

नजर आए, जबकि महिलाएं चाट,

टिक्की और गोलगप्पे के स्वाद का

लुक उठाती दिखीं। दुकानदारों ने

भी मौके का भरपूर लाभ उठाया

और मनमाने दामों पर सामान

नौबत भी आ गई। इसके बावजूद

बेचा, जिससे कई बार ग्राहकों और

खरीदारों का जोश कम नहीं हुआ।

नजर आए, जबकि महिलाएं चाट,

टिक्की और गोलगप्पे के स्वाद का

लुक उठाती दिखीं। दुकानदारों ने

भी मौके का भरपूर लाभ उठाया

और मनमाने दामों पर सामान

नौबत भी आ गई। इसके बावजूद

बेचा, जिससे कई बार ग्राहकों और

खरीदारों का जोश कम नहीं हुआ।

नजर आए, जबकि महिलाएं चाट,

टिक्की और गोलगप्पे के स्वाद का

लुक उठाती दिखीं। दुकानदारों ने

भी मौके का भरपूर लाभ उठाया

और मनमाने दामों पर सामान

नौबत भी आ गई। इसके बावजूद

बेचा, जिससे कई बार ग्राहकों और

खरीदारों का जोश कम नहीं हुआ।

नजर आए, जबकि महिलाएं चाट,

टिक्की और गोलगप्पे के स्वाद का

लुक उठाती दिखीं। दुकानदारों ने

भी मौके का भरपूर लाभ उठाया

और मनमाने दामों पर सामान

नौबत भी आ गई। इसके बावजूद

बेचा, जिससे कई बार ग्राहकों और

खरीदारों का जोश कम नहीं हुआ।

नजर आए, जबकि महिलाएं चाट,

टिक्की और गोलगप्पे के स्वाद का

लुक उठाती दिखीं। दुकानदारों ने

भी मौके का भरपूर लाभ उठाया

और मनमाने दामों पर सामान

नौबत भी आ गई। इसके बावजूद

बेचा, जिससे कई बार ग्राहकों और

खरीदारों का जोश कम नहीं हुआ।

नजर आए, जबकि महिलाएं चाट,

टिक्की और गोलगप्पे के स्वाद का

लुक उठाती दिखीं। दुकानदारों ने

भी मौके का भरपूर लाभ उठाया

और मनमाने दामों पर सामान

नौबत भी आ गई। इसके बावजूद

बेचा, जिससे कई बार ग्राहकों



मुख्य शिख को पढ़ने पर, दृष्टि स्त्री के साथ जीवन  
विदान व्यक्ति भी दुखी हो ही जाता है।  
- स्वामी विवेकानन्द

## आतंक का नया चेहरा

गुजरात एटीएस द्वारा हाल ही में उजागर की गई आतंकी साजिश देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक गंभीर चेतावनी है। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि इस साजिश का निशाना लखनऊ स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यालय था। यदि यह सत्य सिद्ध होता है, तो यह घटना केवल किसी संगठन पर हमला नहीं, बल्कि देश की वैचारिक और सामाजिक संरचना को अस्वीकृत करने की कार्रवाई कही जाएगी। एटीएस के अनुलेख, पकड़े गए आरोपियों में एक डॉक्टर शामिल है, जिसने चीजें से पढ़ाई की और प्रयोगशाला में रिसिन नामक घातक जैविक जहर का परीक्षण भी किया। यह जहर है, जिसे लेकर अमेरिका में बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ सजिश आतंकवाद के जैविक हथियार के रूप में किया जाता है। देश में इसका निर्माण या प्रयोग हुआ होता, तो यह सबसे भीषण आतंकी घटना का रूप ले सकती थी। एटीएस के शक के स्राविक यदि इस जहर हो प्रसाद में मिला दिया जाता, तो हजारों मौतें होती तथा धार्मिक सौहार्द छिन्न-भिन्न होने के अलावा वर्ग विशेष के प्रति भयानक दहशत फैल जाती। इस खुलासे के बाद लगता है कि कुछ कठुरंगी समूह पारंपरिक विस्मोटक या बंदूक की बजाय रासायनिक और जैविक हथियारों की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आतंकवाद की शैली बदल रही है। आतंक का चेहरा साइबर, रासायनिक और वैचारिक रूप लेता जा रहा है। उत्तर प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्य बाते कुछ समय से आतंकी संगठनों के निशाने पर रहे हैं। कारण है नए राज्यों की आवाज, धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता और राजनीतिक महत्व।

पिछले कुछ वर्षों में आतंकीयों की साजिशों का ग्राफ बढ़ा गई था, जो गृह मंत्रालय और खुलासा तोंकी सजिनाता की परीक्षा है। इस घटना को विभाग की "संतरता में कमी" कहना उचित नहीं होगा, सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को इस खुलासे को "एक अकमिक साजिश" नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा राजनीति की समीक्षा का अवधार मानना चाहिए। असल चूनी तो आतंक की बदलती प्रकृति को समझने और उससे पहले कदम उठाने की है। जरूरत है कि हम विदेशी शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त संदर्भों की व्यापक प्रोफाइलिंग करने के अलावा जैविक और रासायनिक हथियारों से जुड़ी निगरानी प्रणाली को मजबूत करें। इसके साथ धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा जांच को आधुनिक बनाने और साइबर इंटीलेजेंस नेटवर्क को पुनर्गठित करने की भी आवश्यकता है। पारंपरिक आतंक से लड़ाई में हमाने अब तक उल्लेखनीय सफलता पाई है, लेकिन यह नया खतरा तकीयों और वैचारिक दोनों स्तरों पर रह जाता है। इसलिए इसे बाल पुलिस या एटीएस का विनाश नहीं माना जा सकता। यह राष्ट्र की सामूहिक संरक्षण और नीतिगत तत्वरक्त की परीक्षा है। इस बार, लापवाही की कोई गुंजाइश नहीं। आरएसए या अच्युत हिंदू संगठनों के वैचारिक एवं कार्य सक्रियता इत्याधिक आतंकियों को भड़काती है, यह तर्क अध्यात्मा और खतरनाक है। किसी राजनीतिक या धार्मिक मतभेद के कारण काई समूह आतंक की रह पकड़ता है, तो वह लोकतंत्र की आत्मा को नष्ट करने का प्रयास करता है। इसका कड़ा

### प्रसंगवद्धा

## सदैव प्रासंगिक रहेंगी मौलाना आजाद की शिक्षा नीतियां

शिक्षा का मानव जीवन में विशेष महत्व है, जिसके बल पर इंसान अपने पूरे जीवन को बदल सकता है। वर्ष 2008 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 11 नवंबर को 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' के रूप में घोषित किया गया था, तभी से यह दिन गण्डी शिक्षा दिवस के रूप में जाना जाता है, जिसका उद्देश्य सभी को शिक्षा के प्रति जागरूक करना है। यह दिन विशेषरक पर लोगों को शिक्षा का उनके जीवन में महत्व बताने के लिए समर्पित है और भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक तथा स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयती के उल्लक्ष में मानव जीवन तो है। 11 नवंबर 1888 को मूकवा में जन्मे मौलाना आजाद न केवल एक बड़े विद्यार्थी, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में भी रहे। जिसने अपने जीवन को उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मूकवा से भारत आने के बाद आजाद राष्ट्रीयता के विनाश के प्रति विरोध है, और उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशकरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौलाना आजाद ने एक केवल स्वतंत्र अंग्रेजी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख खाता था। उन्होंने अपनी शिक्षा को उनके जीवन में उत्तराधिकारी विद्यार्थी की तरह पर अपनाया।

मौलान







